21/5/20

SOCIOLOGY

B.A III Honours
Paper IVth
M.A. JOHN

COMTES POSITIVISM

French Philosopher, August Comte प्रत्यक्षवाद का संस्थापक माना जाता है। Positivism एक वैज्ञानिक अर्थ के आध्यात्मिक ज्ञान भी नहीं है। Comte के इस विचार पर David Hume तथा C.H. Saint Simon के विचारों का भी बहुत अधिक प्रभाव है। उसने यह विचार किया कि प्रत्यक्षवाद को समाजशास्त्र तथा अन्य विज्ञानों पर लागू किया जाना चाहिये। उसने अपने समाजशास्त्र में इसी प्रणाली का प्रयोग किया है। Comte की इस विचारधारा को अलग अलग दृष्टिकोण से परिभाषित किया जा सकता है। मूर्त विचारधारा होने के कारण इसका कोई स्पष्ट ठोस अर्थ नहीं निकलता है फिर भी इसको व्याख्या का प्रयास किया गया है।

प्रत्यक्षवाद की परिभाषा प्रस्तुत करते हुए उसने इसका अभिप्राय विज्ञान बताया है। अर्थात प्रत्यक्षवाद और विज्ञान दोनों ही का अर्थ एक ही है। उसका यह विश्वास है कि समस्त घटनाएं विभिन्न प्राकृतिक नियमों द्वारा संचालित होती हैं। उन्हें समझने के लिए काल्पनिक दृष्टिकोण को त्यागना होगा और वैज्ञानिक प्रणाली का सहारा लेना पड़ेगा। सामाजिक घटनाओं को समझने के लिये हम जिस वैज्ञानिक प्रणाली का प्रयोग करते हैं उसे ही प्रत्यक्षवाद कहा जाता है। प्रत्यक्षवाद में कल्पना, चमत्कार तथा अमूर्त स्थिति एवं कारणों का कोई मूल्य नहीं है। प्रत्यक्षवाद वास्तविक तथ्यों के विश्लेषण में विश्वास करता है और सामाजिक घटनाओं के अध्ययन में

Scanned by CamScanner

इसलिये भी प्रत्यक्षवाद, वैज्ञानिक होता है और विज्ञान में कल्पना, अलौकिकता एवं अमूर्तता का कोई स्थान नहीं है।

प्रत्यक्षवाद की आगे चर्चा करते हुये उसने विचार किया कि प्रत्यक्षवाद का सम्बन्ध अलौकिक सत्ता से नहीं होता बल्कि यह वास्तविक जगत से सम्बन्धित होता है। Rollinchamblin के शब्दों में " प्रत्यक्षवाद का सम्बन्ध कृत्रिम की अपेक्षा वास्तविक जगत से है, समस्त ज्ञान की अपेक्षा उपयोगी ज्ञान से है, तथ्यों से है जिनका किसी निश्चित अंश तक अवलोकन सम्भव है। यह निरर्थक अस्पष्ट भावों की अपेक्षा ज्ञान से, स्थिर निश्चितताओं की अपेक्षा तथा परिकल्पित चेतन सत्य से, निरपेक्ष की अपेक्षा सापेक्ष से सम्बन्धित है। अन्त में प्रत्यक्षवाद सर्वसंचारी है जिसमें यह उन सभी को एक सत्य सम्बन्ध में संकलित कर लेता है जो इसकी भावना एवं परिस्थिति का प्रयोग करते हैं। संक्षेप में प्रत्यक्षवाद या सकारात्मक विचार की प्रणाली है जो सार्वभौमिक रूप में स्वीकार की जा सकती है।"

Comte ने प्रत्यक्षवाद की चर्चा करते हुये यह भी विचार किया कि प्रत्यक्षवाद एक ऐसी वैज्ञानिक विचारधारा है जिसका उद्देश्य समस्त मानव समाजों विशेषकर Europe के समाजों को भौतिक, बौद्धिक एवं नैतिक रूप से उन्नति करना है। उसने आगे चल कर प्रत्यक्षवाद के तीन अंगों की भी चर्चा की है, जैसे:

(1) प्रत्यक्षवाद विज्ञान के रूप में: इस प्रत्यक्षवादी

Scanned by CamScanner

दर्शन के अन्तर्गत आने वाले विज्ञानों का Comte ने उल्लेख किया है वह इस प्रकार है। गणितशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, भौतिकशास्त्र, रसायनशास्त्र, प्राणीशास्त्र, समाजशास्त्र एवं नीतिशास्त्र।

(2) प्रत्यक्षवाद एक धर्म के रूप में : यह मानवता का धर्म है जिसमें अलौकिक, या वास्तविक जगत से बाहर की वस्तु का कोई स्थान नहीं है।

(3) प्रत्यक्षवाद राजनीति के रूप में : राजनीति के रूप में ~~Positiv~~ positivism का ~~उद्दे~~ लक्ष्य युद्ध को समाप्त करना तथा संसार के राज्यों का राष्ट्रमण्डल सीमित करना।

उसके इस सिद्धान्त की अनेक कारणों से कड़ी आलोचना की ~~की~~ जाती है। आज के समाज में अनेक कारणों से इसे अनुपयुक्त माना जाता है।

दूसरी कड़ी आलोचना इस बात से सम्बन्धित है ~~Na~~ Natural Scientific Methods सामाजिक विज्ञानों के लिये उपयुक्त नहीं है।

—X—

HIERARCHY OF SCIENCES

समाजशास्त्र के नवीन सामाजिक विज्ञान की संस्थापना करने के लिये Comte ने अपने विज्ञानों के वर्गीकरण का नवीन सिद्धान्त प्रतिपादित किया। इसके अनुसार विज्ञानों का विकास एक निश्चित क्रम से ही सम्भव हो सका है और इस क्रम में सामान्यता का पतन एवं जटिलता की वृद्धि

गई है। होती है। वह समस्त विज्ञानों का एक ऐसा सामान्य एवं ठोस आधार तैयार करना चाहता था जिस पर उसका नवीन विज्ञान -समाजशास्त्र फलफूल सके। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसने विज्ञानों का वर्गीकरण किया।

विज्ञानों के संस्तरण में Comte ने Increasing dependency के सिद्धान्त का सहारा लिया है। उसने इस बात का ध्यान रखा है कि प्रत्येक विज्ञान की श्रेणी अपने से पूर्व श्रेणी के नियमों एवं सिद्धान्तों पर आश्रित है।

Comte के विज्ञानों का वर्गीकरण गणित से आरम्भ होता है जो इस प्रकार है।

(1) Mathematics (2) Astronomy (3) Physics (4) Chemistry (5) Biology (6) Social Physics or Sociology. बाद में उसने नीतिशास्त्र को भी वर्गीकरण में सबसे अन्त में सम्मिलित कर लिया था।

Comte का कथन है कि किसी भी विज्ञान को समझने के लिये आवश्यक है कि पहले उस विज्ञान के आधार को पूर्ण सावधानी से समझ लिया जाये जिस पर वह विज्ञान अवलम्बित है।

— x —

Scanned by CamScanner